फर्द अहकाम

श्री .... प्यूलाल .... बनाम श्री .... रतन .... प्रकरण सं० 28/2023

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
5/12/24	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप.। पत्रावली वास्ते तामील प्रति. क्र. 16 व 17 दि 7/1/25 को पेश हो। शेष तामील Reg. A.D. से करवाकर डिलीवरी रिपोर्ट दिनांक [illegible] को पेश करें। (हस्ताक्षर)	
7/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप.। प्रति प्रतिवादी कि तामील प्राप्त नहीं हुई। पत्रावली वास्ते जवाब दि 16/1/25 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	
16-1-25	पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष .... पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त / अवकाश में है, पत्रावली वादिक आदेश में दिनांक 20-2-25 को पेश हो। आदेश से रीडर	
20/2/25	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/प्रार्थी अनुपस्थित। वादी/प्रार्थी भी अनुपस्थित। प्रकरण में वकील वादी/प्रार्थी को निर्धारित रूप से हेला करवाकर तीन बार आवाजें लगवाई गई, लेकिन उनकी ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। वकील वादी/प्रार्थी पूर्व में भी अनुपस्थित रहे। वकील वादी व वादी के अनुपस्थित रहने से प्रकरण को अदम हाजरी व अदम पैरवी में	

फर्द अहकाम

प्रकरण सं0

श्री.. बनाम श्री..

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर अहका... हुक्त ... में ...
	खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है ऐसी स्थिति में प्रकरण को अदम हाजरी व अदम पैरवी मे खारिज किये जाने के आदेश पारित किये जाते है अतः कार्यवाही फैसलशुदा होकर दर्ज नम्बर से कम कि जाकर दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड मजिस्ट्रेट हमीरगढ़ (राज.)	

Scanned with ACE Scanner